an>

Title: Need to protect the social media activists.

श्री भगवंत मान (संगरूर): देश में सोशल मीडिया लोकतंत्र के पाँचवे स्तम्भ के रूप में उभर रहा है। सोशल मीडिया को आज के जमाने में आम लोगों की आवाज के तौर पर एक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। जब देश के कई हिस्सों में सरकारों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक व प्रिन्ट मीडिया पर दबाव डालने की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में सोशल मीडिया ही सत्य को आम लोगों तक पहुँचाने का एकमात्र माध्यम बच जाता है। लेकिन सोशल मीडिया पर भी पाबंदी एवं दबाव डालने की खबरें आजकल आ रही हैं। देश में पिछले दिनों सोशल मीडिया पर कार्य करने वाले व्यक्तियों पर पुलिस द्वारा तंग व परेशान करने तथा झूठे केस बनाकर जेल में डालने की घटनाएं हुई हैं। माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी 66ए धारा को खत्म कर दिया है और कहा है कि सोशल मीडिया पर कुछ लिखने को अपराध नहीं माना जा सकता है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वह देश के कुछ हिस्सों में अघोषित मीडिया इमरजेंसी के खिलाफ सख्त आदेश दे ताकि लिखने व बोलने की आजादी को बचाया जा सके।